



## प्रेस विज्ञप्ति

### आईआईटी भुवनेश्वर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन

**भुवनेश्वर, 23 मई 2025:** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, आईआईटी भुवनेश्वर ने 23 मई 2025 को 'फ्यूचरिस्टिक डिफेंस टेक्नोलॉजीज़: भारत विश्व नेता बनने की ओर' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रणाली डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के महानिदेशक डॉ. बिनय कुमार दास ने व्याख्यान दिया। यह ध्यान देने योग्य बात है कि यह प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला का चौथा व्याख्यान था, जिसे भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी (आईएनएई)-भुवनेश्वर वैप्टर द्वारा शिक्षा 'ओ' अनुसंधान (एसओए) विश्वविद्यालय, आईआईटी भुवनेश्वर, नाइजर भुवनेश्वर, सीएसआईआर-आईएमएमटी भुवनेश्वर, आईसीटी-आईओसी भुवनेश्वर परिसर और आईईईई भुवनेश्वर अनुभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था।

अपने व्याख्यान में डॉ. दास ने इस बात पर प्रकाश डाला: "तकनीकी प्रगति आम तौर पर नागरिक उपयोग में आने से पहले सैन्य जरूरतों से उभरती है। यह वार्ता वैश्विक युद्ध की गतिशीलता, विशेष रूप से यूक्रेन संघर्ष के बाद, भविष्य की रक्षा प्रौद्योगिकियों में अग्रणी होने के लिए भारत की तत्परता पर चर्चा करेगी। मुख्य फोकस क्षेत्रों में एआई-संचालित स्थितिजन्य जागरूकता, स्वायत्त प्रणाली, रोबोट सैनिक, हाइपरसोनिक हथियार, क्वांटम सेंसिंग और डिजिटल युद्धक्षेत्र शामिल हैं। यह DIA-CoE, स्टार्टअप जुड़ाव और DRDO की TDF योजना जैसी पहलों के माध्यम से भारत के आत्मनिर्भरता प्रयासों पर भी प्रकाश डालेगा - ऐसी रणनीतियाँ जिनका उद्देश्य भारत को निष्क्रिय प्रौद्योगिकी अपनाने वाले के बजाय रक्षा नवाचार में वैश्विक नेता के रूप में बदलना है।"

अपने संबोधन में, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. श्रीपद कर्मलकर ने कहा: "प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन और समाज को गहराई से बदल दिया है - अधिक से अधिक लैंगिक भागीदारी को सक्षम करने से लेकर वैश्विक संचार और रक्षा में क्रांतिकारी बदलाव तक। जबकि भारत ने सॉफ्टवेयर और सिस्टम-स्तरीय प्रौद्योगिकियों में महत्वपूर्ण प्रगति की है, हमें अब घटक-स्तरीय प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से सामग्री विज्ञान में अपनी क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। केवल इस आधारभूत परत में महारत हासिल करके ही हम वास्तव में प्रौद्योगिकी में एक वैश्विक नेता के रूप में उभर सकते हैं।"

इस अवसर पर बोलते हुए, आईआईटी खड़गपुर के पूर्व निदेशक और आईएनएई भुवनेश्वर चैप्टर के अध्यक्ष प्रो. दामोदर आचार्य ने कहा कि आईएनएई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह के आयोजन का जिम्मा सौंपा गया है। इसके तहत, विशेषज्ञ व्याख्यानों की एक श्रृंखला में परमाणु विज्ञान, एआई, अंतरिक्ष और रक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि ये आयोजन न केवल 1998 के पोखरण परीक्षणों की विरासत का सम्मान करते हैं, बल्कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को भी दर्शाते हैं।

प्रोफेसर शुभांसु रंजन सामंतराय, स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर साइंसेज के प्रमुख और सचिव, आईएनएई; इस अवसर पर भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु के प्रोफेसर राधाकांत पाठी ने भी बात की। डॉ. विजयकृष्ण कारी, प्रोफेसर-इन-चार्ज (सेमिनार), आईआईटी भुवनेश्वर ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

---